दोहे

I

1.) प्रेम का धागा एक बार टूटने के बाद उसे दुबारा जोड़ा जाए तो उसमें गाँठ पड़ जाती है, वह पहले की भाँति जुड़ पाती. इसमें अविश्वास और संदेह की दरार पड़ जाती है।

2.) हमें अपना दुख दूसरों पर इसलिए प्रकट नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे कोई लाभ नहीं है, अपने मन की व्यथा दूसरों से कहने पर वे उसका मजाक उड़ाते है।

3.) रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य इसलिए कहा है क्योंकि छोटा होने के बावजूद भी ही लोगों और जीव जन्तुओं की प्यास को तृप्त करता है। सागर विशाल होने के बाद भी किसी की प्यास नहीं बुझा पाता।

Date ______
Page ______

4.) कवि की मान्यता है कि ईश्वर एक है। उसकी ही साधना करनी चाहिए। वह मूल है। उसे ही सींचना चाहिए। जैसे जड़ को सींचने से फल फूल मिल जाते हैं उसी तरह एक ईश्वर को पूजने से सभी काम सफल हो जाते हैं। केवल एक ईश्वर की साधना पर ध्यान लगाना चाहिए।

5.) जलहीन कमल की रक्षा सूर्य भी इसलिए नहीं कर पाता क्योंकि उसके कोई सामर्थ्य नहीं होता। कोई भी उसी की मदद करता है जिसके पास आंतरिक बल होता है नहीं तो कोई मदद करने नहीं आता।

6.) अपने पिता के वचन को निभाने के लिए अवध नरेश को चित्रकूट जाना पड़ा।

7) 'नट' कुंडली मारने की कला में सिद्ध कारण ऊपर चढ जाता है।

8) 'मोती' के संदर्भ में अर्थ है चमक या आब इसके बिना मोती का कोई मूल्य नहीं है। मानुष के संदर्भ में पानी का अर्थ मान सम्मान है मनुष्य का पानी अर्थात सम्मान समाप्त हो जाए तो उसका जीवन व्यर्थ है। 'चून' के संदर्भ में पानी का अर्थ अस्तित्व से है। पानी के बिना आटा नहीं गूंथा जा सकता। आटे और चूना दोनों को पानी की आवश्यकता होती है।